देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 197 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह... दुनिया विनाश की ओर

पेज थ्री

देहरादून, मंगलवार, 9 नवंबर 2021

मौसम अधिकतम 24.0° न्यूनतम 14.0°

40239.41 2 पैगंबर का नाम लेकर आतंकी हमला 7 टी-20 में खत्म हो गया विराट युग

सबके लिए खुले भगवान विट्ठल के द्वार

पीएम मोदी ने पंढरपुर में 2 हाईवे के विस्तार की नींव रखी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पंढरपुर में दो 4 लेन नेशनल हाईवे के विस्तार की आधारशिला रखी। मोदी ने आगे कहा कि महाराष्ट्र में श्री संत ज्ञानेश्वर महाराज पालखी मार्ग का निर्माण 5 चरणों में होगा और संत तुकाराम महाराज पालखी मार्ग का निर्माण तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। इन सभी चरणों में 350 किमी. से ज्यादा लंबाई के हाईवे बनेंगे और इस पर 11000 करोड़ रु. से ज्यादा खर्च आएगा। इन राष्ट्रीय राजमार्गों के दोनों तरफ 'पालखी' के लिए पैदल मार्ग भी बनाया जाएगा। ताकि पैदल जाने वाले भक्तों को परेशानी न हो। इन दोनों मार्गों की लागत 6690 करोड़ रु. और 4400 करोड़ रु. होगी। कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी शामिल हुए।

चारों दिशाओं के महापुरुष गिनाए

1. पूर्व में चौतन्य महाप्रभु, और शंकर देव जैसे संतों के विचारों ने देश को समृद्ध किया।
2. पश्चिम में नरसी मेहता, मीराबाई, धीरो भगत, भोजा भगत, प्रीतम हुए।
3. उत्तर में रामानंद, कबीरदास, गोस्वामी तुलसीदास, सूरदास, गुरु नानकदेव, संत रैदास हुए।
4. दक्षिण में मध्वाचार्य, निम्बार्काचार्य, वल्लभचार्य, रामानुजाचार्य हुए।

मोदी ने कहा कि आज यहां पालखी मार्ग का शिलान्यास हुआ है। इसका निर्माण 5 चरणों में होगा। आज भी ये यात्रा दुनिया की सबसे प्राचीन और सबसे बड़ी जन-यात्राओं के रूप में देखी जाती है। 'आषाढ एकादशी' पर पंढरपुर यात्रा का विहंगम दृश्य कौन भूल सकता है। हजारों-लाखों श्रद्धालु, बस खिंचे चले आते हैं।

कितने किलोमीटर रोड का निर्माण होगा: संत ज्ञानेश्वर महाराज पालखी मार्ग के दिवेघाट से मोहोल तक के 221 किलोमीटर संत तुकाराम महाराज पालखी मार्ग के पतस से टोंदले-बोंदले तक 130 किलोमीटर

परेशानियां आईं, लेकिन आस्था कम नहीं हुई: अतीत में हमारे भारत पर कितने ही हमले हुए, सैकड़ों साल की गुलामी में देश जकड़ गया। प्राकृतिक आपदाएं आईं, चुनौतियां आईं, कठिनाइयां आईं, लेकिन भगवान विट्ठल देव में हमारी आस्था, हमारी दिंडी वैसे ही अनवरत चलती रही। ये यात्राएं अलग-अलग पालखी मार्गों से चलती हैं, लेकिन सबका गंतव्य एक ही होता है। इससे हमें सीख मिलती है कि मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं, पद्धतियां और विचार अलग अलग हो सकते हैं, लेकिन हमारा लक्ष्य एक है।

पंढरपुर को कहा जाता है दक्षिण का काशी: महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में भीमा नदी के तट पर पंढरपुर स्थित है। पंढरपुर को दक्षिण का काशी भी कहा जाता है। इस यात्रा का आकर्षण सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशियों में भी है।

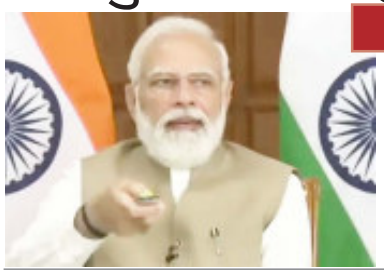

पंढरपुर तबसे है, जब संसार की सृष्टि नहीं हुई थी

मोदी ने कहा कि भगवान विट्ठल का दरबार हर किसी के लिए समान रूप से खुला है। जब मैं सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास कहता हूं, तो उसके पीछे भी यही भावना है। पंढरपुर की सेवा मेरे लिए साक्षात् श्री नारायण हरि की सेवा है। ये वो भूमि है, जहां भक्तों के लिए भगवान आज भी प्रत्यक्ष विराजते हैं। संत नामदेवजी महाराज ने कहा है कि पंढरपुर तबसे है, जब संसार की भी सृष्टि नहीं हुई थी।

यहां एक साल में 4 बड़े मेले लगते हैं

पंढरपुर में एक वर्ष में चार बड़े मेले लगते हैं। इन मेलों के लिए भक्त लाखों की संख्या में यहां इकट्ठे होते हैं। चौत्र, आषाढ़, कार्तिक, माघ, इन चार महीनों में शुक्ल एकादशी के दिन पंढरपुर की चार यात्राएं होती हैं। आषाढ़ माह की यात्रा को महायात्रा या वारी यात्रा कहते हैं। इसमें महाराष्ट्र ही नहीं देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु पंढरपुर आते हैं। संतों की प्रतिमाएं, पादुकाएं पालकियों में सजाकर वारकरी यहां आते हैं। इस यात्रा के दर्शन के लिए पूरे 250 कि.मी. रास्ते पर दोनों ओर लोगों की भारी भीड़ जमा रहती है। एक साथ लाखों लोगों के शामिल होने और भक्तों के कई सौ किलोमीटर पैदल चलने के कारण इसे सबसे बड़ी धार्मिक यात्रा कहा जाता है।

संक्षिप्त समाचार

शुरू हुआ छठ का चार दिवसीय महापर्व

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पटना। देश के तमाम हिस्सों में लोक आस्था का महापर्व छठ सोमवार को नहाय-खाय से आरंभ हो गया। व्रती नहाय-खाय के दिन गंगा स्नान करने के बाद प्रसाद स्वरूप अरवा चावल, चना की दाल, कद्दू की सब्जी, आंवले की चटनी आदि ग्रहण कर चार दिवसीय पर्व का अनुष्ठान शुरू करेंगी। इसके लिए भोर से ही पटना के गंगा घाटों पर व्रतियों की भीड़ उमड़ पड़ी। ऐसा ही नजारा राज्य की तमाम नदियों और जलस्रोतों के किनारे दिखा।

सरकार के साथ क्या 'सीक्रेट डील' है: कांग्रेस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अगस्ता वेस्टलैंड की स्वामित्व वाली कंपनी फिनमेकानिका से खरीद पर लगे प्रतिबंध हटाए जाने की खबरों पर कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है। सोमवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तंज कसा, पहले #Augusta भ्रष्ट था, अब भाजपा लॉन्ड्री में धुलकर साफ हो गया!

सुषमा स्वराज और अरुण जेटली को मरणोपरांत मिला पद्म विभूषण

विभिन्न राज्यों के पद्म पुरस्कार विजेताओं को किया गया सम्मानित किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने सोमवार को विभिन्न राज्यों के पद्म पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली और सुषमा स्वराज को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। खेल जगत से बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को पद्म भूषण व फिल्म जगत में एक्टर कंगना रनोट और गायक अदनान सामी को पद्म श्री से सम्मानित किया गया। इनके अलावा बांग्लादेश की दो शख्सियतों को भी सम्मानित किया गया है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली, पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और पूर्व रक्षा मंत्री जार्ज फर्नांडीस को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। अरुण जेटली की पत्नी संगीता जेटली और सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अवार्ड सौंपा।

बांग्लादेश की दो शख्सियतों को भी पद्म पुरस्कार

बांग्लादेश की दो शख्सियतों को पद्म पुरस्कार दिए गए हैं। पहली बार बांग्लादेश के लोगों को पद्म पुरस्कार दिए गए हैं। इनमें भारत में पूर्व उच्चायुक्त मुअज्जम अली और 1971 युद्ध के नायक कर्नल काजी सज्जाद अली जहीर शामिल हैं। दोनों को भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक पद्मश्री से सम्मानित किया गया है, इस पुरस्कार को पाने वाले यह पहले बांग्लादेशी नागरिक हैं। मुअज्जम अली को मरणोपरांत पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

खेल जगत से इनको किया गया सम्मानित: खेल जगत से बैडमिंटन प्लेयर पीवी सिंधू को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। वहीं, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने हाकी खिलाड़ी रानी रामपाल को खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया।

कंगना रनोट समेत फिल्म जगत की इन हस्तियों को मिला पद्म श्री: बालीवुड एक्टर कंगना रनोट और सिंगर अदनान सामी को 2020 के लिए पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनके अलावा प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र को पद्म विभूषण पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया।

इन्हें भी किया गया सम्मानित: भारत की पहली महिला एयर मार्शल डा पदमा बंदोपाध्याय (सेवानिवृत्त) को चिकित्सा के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार मिला। उनके अलावा आइसीएमआर के पूर्व प्रमुख साइंटिस्ट डाक्टर रमन गंगाखेडकर को भी पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

पलायन करने वाले सभी की हों वापसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भरोसा

■यूपी में अब गुंडों का दमन करने वाली सरकार: सीएम योगी

शामली। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने शामली के अपने दौरे पर सोमवार को कैराना का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने यहां से पलायन करने के बाद वापसी करने वाले व्यापारियों को सुरक्षा का भरोसा भी दिलाया। सीएम योगी आदित्यनाथ शामली के कैराना में 2016 में प्रवास के बाद लौटे कैराना निवासियों से मिले। कैराना में कई परिवार 2016 में दूसरे समुदाय की धमकियों के कारण पलायन कर गए थे।

मुख्यमंत्री ने व्यापारियों से कहा कि आप लोग निडर होकर अपने घरों में रहें और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाएं। प्रदेश में अब आपकी सरकार है। यह सबकी सरकार है। प्रदेश में अब कानून का राज चल रहा है। सभी अपराधी या तो जेल के अंदर हैं या फिर ऊपर चले गए हैं। कैराना का माहौल अब पहले से काफी बेहतर हो गया है। यहां पर तो शातिर अपराधी अपने आप ही सरेंडर कर रहे हैं। उनको पता है कि अब उनको सत्ता से कोई भी सरंक्षण नहीं मिलेगा। अब उनकी सारी गैरकानूनी गतिविधियों पर लगाम लगी है। इनकी अवैध संपत्तियों को जब्त कर गरीबों के लिए आवास बनाए जा रहे हैं। अब यहां पर गुंडागर्दी जरा सी भी नहीं होगी। अब प्रदेश में गुंडों को शरण देने वाली नहीं उनका दमन करने वाली सरकार काम कर रही है।

यह देखकर अच्छा लगा की माहौल बेहतर होने के कारण यहां से पलायन करने वाले भी अब वापस आ गए हैं। लखनऊ से शामली पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ सबसे पहले कैराना कस्बे में पहुंचे और उन पीड़ित परिवारों से मिले, जो कि गुंडगर्दी के कारण यहां पर अपने घरों में ताला लटकाकर चले गए थे। सीएम ने कहा कि यहां पर कम दूरी पर ही पुलिस चौकी बना दी गई है, जबकि शामली में पीएसी की एक बटालियन की स्थापना भी करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

सेना भारत को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सेना तेजी से आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है: नरवणे

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने कहा है कि भारतीय सेना हमेशा आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएगी। फेडरेशन आफ इंडियन चौंबर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के द्वारा आयोजित वेबिनार में सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने कहा, भारतीय सेना तेजी से आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है और अपनी आपरेशनल जरूरतों के लिए स्वदेशी समाधान तलाश रही है। मैं सभी को आश्वस्त करता हूं कि भारतीय सेना हमेशा आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएगी।

नरवणे ने उल्लेख किया कि उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने और विदेशी प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता कम करने के लिए स्वदेशी और स्थानीय क्षमताओं का विकास करना अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक मंदी के दौरान सरकार की आत्मनिर्भर भारत की पहल से घरेलू उद्योग को बहुत जरूरी प्रोत्साहन मिला है।